an>

Title: Regarding water crisis in the country.

श्री धर्मवीर सिंह (भिवानी-महेन्द्रगढ़): महोदय, आज सारे देश और दुनिया में पानी का भयंकर संकट आने वाला है । पर्यावरण को देखें तो दिल्ली भी कई बार प्रदूषित हो जाती है । हमको पौष्टिक आहार नहीं मिलता है । माननीय प्रधान मंत्री जी की भी सोच है कि किसी प्रकार से पानी को बचाया जाए । हमें पौष्टिक आहार मिले, नहीं तो बीमारियां फैलती हैं । मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार को सुझाव है कि ज्वार, बाजरा, जौ, सरसों, तिलहन, दाल के एम.एस.पी. को दोगुना कर दिया जाए तथा गेहूं और चावल का रेट बढ़ाने की जरूरत नहीं है, ये केवल पेट भरने के काम आते हैं । बाजरा, जिसमें आयरन ज्यादा होता है, चना, ज्वार आदि इस प्रकार की फसलों से पौष्टिक तत्व मिलेंगे, आहार अच्छा मिलेगा, बीमारियां दूर होगी, डी.ए.पी. यूरिया की जरूरत नहीं पड़ेगी और जो अवशेष से प्रदूषण फैलता है, वह भी बंद हो जाएगा । मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इन फसलों के दाम दोगुने करके दाना-दाना खरीदा जाए, ताकि आम आदमी बीमारी से बच सके और पानी का भी बचाव हो सके ।

माननीय अध्यक्ष:

श्री कुलदीप राय शर्मा को श्री धर्मवीर सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।